अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जम्मू – 184120

(पीएमएसएसवाई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय)

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक – 27.07.2024

एम्स जम्मू : जम्मू–कश्मीर में 'स्वास्थ्य सेवा के भविष्य' का अनावरण के रूप में अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए।

एम्स जम्मू, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में '**पहली एम्स सुविधा**', जो माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का प्रतीक है, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना(पीएमएसएसवाई) के तहत स्वास्थ्य देखभाल की उत्कृष्टता के प्रतीक, जिसमें अनुसंधान को बढ़ावा, चिकित्सा शिक्षा को उन्नत करना और रोगी केंद्रित उपचार को बढ़ावा दे रहा है।

प्रो (डॉ.) शक्ति कुमार गुप्ता, कार्यकारी निदेशक और सीईओ, एम्स जम्मू ने एक प्रेस वार्ता की जिसमें जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया और एम्स जम्मू में आगामी ओपीडी सेवाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं की अत्याधुनिक तकनीक और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का प्रदर्शन किया। रोगी आधारित अनुभव को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने मीडिया को अपॉइंटमेंट शेड्यूलिंग, उपलब्ध रेडियो-डायग्नोस्टिक सेवाओं और 24/7 डायग्नोस्टिक लैब के बारे में बताया, विशेष रूप से बताया कि शुरुआत में केवल ओपीडी सेवाएं उपलब्ध होंगी, साथ ही आईपीडी, वैकल्पिक सर्जरी और अन्य सेवाएं भी जल्द ही उपलब्ध होंगी।

निदेशक महोदय ने हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए अपने सम्बोधन की शुरूआत की, बताया की "7 नवंबर, 2015 को कल्पना की गई। एम्स जम्मू की आधारशिला 3 फरवरी, 2019 को रखी गई थी और इसका भव्य उद्घाटन 20 फरवरी, 2024 को प्रधान मंत्री द्वारा किया गया था। हम माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री, श्री जगत प्रकाश 7 जुलाई, 2024 को उनकी यात्रा के लिए मैं बहुत आभारी हूँ। । उनकी उपस्थिति और मार्गदर्शन अत्यंत गर्व और प्रेरणा का स्रोत रहा है। स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद यह किसी एम्स का उनका पहला दौरा रहा।"

निदेशक महोदय ने जम्मू-कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री. मनोज सिन्हा के नेतृत्व में राज्य शासन के प्रति को उनके हर कदम पर अटूट समर्थन, प्रोत्साहन और सहयोग के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

प्रोफेसर (डॉ.) गुप्ता ने जम्मू और कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भविष्य के लिए अपनी दूरदर्शी योजनाएं साझा की, उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि आसन्न ओपीडी सेवा का बुनियादी ढांचा एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जम्मू – 184120

(पीएमएसएसवाई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय)

निदेशक ने संस्थान की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर जोर देते हुए एम्स जम्मू पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। अपने संबोधन में. प्रो. गुप्ता ने मीडिया को एम्स जम्मू की विशिष्ट विशेषताओं से परिचित कराया, जो क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए तैयार हैं।

निदेशक महोदय ने उल्लेख किया, "संस्थान 750 बिस्तरों से सुसज्जित होगा, जिसमें 193 आईसीयू बिस्तर लगभग 20 अल्ट्रा-आधुनिक ओटी और 50 विभाग, 20 सुपर-स्पेशलिटी वाले विभाग शामिल होंगे। यह एक समर्पित स्वास्थ्य टीम द्वारा समर्थित अत्याधुनिक सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के साथ अद्वितीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेंगी। टेलीमेडिसिन और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से इसकी पहुंच दूर की जनसंख्या तक देखभाल सेवा प्रदान करेगा।
निदेशक ने कहा, " एम्स जम्मू कर्मचारियों की संतुष्टि और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जेएंडके बैंक, एसबीआई बैंक, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मेस, क्रेच सुविधा गेस्ट हाउस और आवासीय परिसरों जैसी विविध सुविधाओं के साथ एक हरे, पर्यावरण-अनुकूल टाउनशिप के लिए प्रतिबद्ध है।"

"देखना ही विश्वास है", मीडिया कर्मियों को अकादमी ब्लॉक के भीतर विभिन्न सुविधाओं, जहर सूचना केंद्र, केंद्रीय डिजिटल लाइब्रेरी, व्याख्यान कक्ष, कैफेटेरिया और नर्सिंग कॉलेज सहित विभिन्न सुविधाओं के माध्यम से अवगत कराया गया। विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर के दौरे के बाद आउट पेशेंट विभाग (ओपीडी) का दौरा किया गया, जहां उन्होंने पंजीकरण काउंटर, रोगी देखभाल प्रबंधन, पीसी समन्वयक और मरीजों को उनके विभागों का पता लगाने में सहायता के लिए डिज़ाइन किए गए अभिनव "इंडोर नेविगेशन सिस्टम" का अवलोकन किया। इस प्रणाली की शुरूआत में ही विशेष रूप से प्रशंसा की गई, क्योंकि यह सभी एम्स संस्थानों में पहली नवाचार पद्धति का प्रतिनिधित्व करती है। मीडिया समूह 3-टेसला एमआरआई सहित 128 स्लाइस्ड सीटी और डिजिटल एक्स-रे सेवाएं, साथ ही 24x7 डायग्नोस्टिक लैब नैदानिक सुविधाओं के दौरे के दौरान साथ रहा। इस दौरे में आयुष ब्लॉक, (जो वॉक-इन रोगियों के लिए एक आरामदायक सुविधा), आपातकालीन सेवाएं, आईसीयू, ऑपरेटिंग थिएटर भी शामिल रहें । यह दौरान जन औषधिं, अमृत फार्मेसी और नाइट शेल्टर का दौरा भी शामिल है।

प्रोफेसर गुप्ता ने बताया कि एम्स, जम्मू वर्तमान में अपनी ओपीडी सेवाएं शुरू करने, नियुक्ति प्रक्रियाओं, उपलब्ध रेडियोडायग्योसिस सेवाएं और लैब 24/7 लैब डायगनोसिस के परिचालन और रोगियों के लिए तथा सभी सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए और समय पर सही ईलाज प्रदान करने के लिए प्रतिबन्धित है।

प्रोफेसर गुप्ता ने भविष्य में सेवाओं के विस्तार की रूपरेखा पेश की। जबकि शुरूआती चरण ओपीडी ईलाज पर आधारित होगा, इसके बाद वाले चरण में सेवाओं का विस्तार किया जाएगा, जिसमें आईपीडी ईलाज, वैकल्पिक सर्जरी और अन्य विभिन्न प्रमुख चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। यह चरण अन्य अतिरिक्त सेवाओं के विस्तार के लिए सुनिश्चित और चरणबद्ध है। जिसमें न केवल जम्मू–कश्मीर के

लोगों को बल्कि लेह और अन्य पड़ोसी राज्यों जैसे हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लोगों की स्वास्थ्य आधारित जरूरतों को पूरा करेगा।

प्रोफेसर ने शैक्षणिक क्षेत्र में एम्स जम्मू की भागीदारी साझा किया और बताया कि एम्स जम्मू में 100 एमबीबीएस छात्रों के वार्षिक प्रवेश की अनुमति प्रदान करता है और 60 बीएससी नर्सिंग छात्रों को प्रवेश की अनुमति प्रदान करता है। यह एमबीबीएस सीटों की संख्या 50 (सत्र 2020), 61 (सत्र 2021 और 2022), 62 (सत्र 2023), 2024 में 100 प्रस्तावित है, साथ ही 60 छात्र बीएससी नियमित रूप से वार्षिक सत्र में प्रवेश करते है। इसके अतिरिक्त एम्स जम्मू 45 स्नाताकोतर सीट मेडिसीन, सर्जरी और दन्त चिकित्सा वर्तमान में प्रदान करता है, साथ ही सुपर स्पेस्लिस्ट पाठ्यक्रम (डीएम/एमसीएच), 2025 में प्रारंभ होने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि यह संस्थान एक अद्वितीय शिक्षा का वातावरण प्रदान करता है। जहां छात्रों को चिकित्सा प्रमुख के रूप में ढाला जाता है। आधुनिक लैब स्मार्ट थियेटर और प्रयोगशालाओं के साथ उनका बौद्धिक और कौशल विकास किया जाता है। इस प्रकार की डिजिटल पुस्तकालय जो किसी भी अन्य एम्स में उपलब्ध नहीं है, जो 24/7 खुली रहेगी और शिक्षा के पथ में आदर्श मार्गदर्शक हर कदम पर सहायता करेंगे।

निदेशक महोदय ने विशेष रूप से कहा कि एम्स जम्मू बिना किसी भेदभाव के अन्तः विषय सहयोग को बढावा देता है। आधुनिक तकनीक के साथ आयुष को, आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईएम और प्राकृतिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करता है, जो अंतराष्ट्रीय भागीदारी द्वारा समर्थित है। यह संस्थान एक शिक्षण केंद्र बन गया है जहाँ पर नये विचारों प्रफुल्लित होते है। वर्तमान में एम्स जम्मू 81 अनुसंधान प्रोजोक्ट, जिसमें 41 बाह्य वित पोषित, 29 आन्तरिक वित पोषित और 11 छात्र प्रोजेक्ट शामिल है।

निदेशक महोदय ने कहा, 'एम्स जम्मू का उद्देश्य है कि यह संस्थान एक वर्ष के अन्दर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का लक्ष्य प्राप्त कर लेगा, यह चार प्रमुख उपलब्धियों के माध्यम से प्राप्त होगा। यहां पर महिला–सशक्तिकरण जो समान अवसर, सहयोगात्मक कार्य वातावरण लिंगानुकूल परियोजना और विशेष रूप से महिला नेतृत्व द्वारा प्रदान किया जाता है।

निदेशक महोदय ने कहा कि एम्स जम्मू के कर्मचारियों का बड़ा हिस्सा जम्मू और कश्मीर के स्थानीय क्षेत्र से है, जो कुल स्टाफ का 58 प्रतिशत है जबकि 42 प्रतिशत अन्य क्षेत्र से है। रोजगार के प्रकार में आउटसोर्सिंग को संदर्भ किया गया है, जिसमें कर्मचारियों में 99 प्रतिशत स्थानीय निवासी है, जिसमें 1 प्रतिशत बाह्य क्षेत्र से है। वरिष्ठ नागरिकों में 92 प्रतिशत जम्मू और कश्मीर से है जबकि 8 प्रतिशत अन्य क्षेत्र से है। संकाय सदस्यों का एक प्रमुख भाग जम्मू कश्मीर से है जिसमें 59 प्रतिशत जम्मू और कश्मीर से है और 41 प्रतिशत अन्य क्षेत्रों से है। प्रमुख भूमिकाओं में लिंगानुपात विविध है। संकाय पदों पर महिलाएं 49 प्रतिशत, सीनियर रेजिडेन्ट में 62 प्रतिशत और नर्सिंग स्टाफ का 80 प्रतिशत महिलाएं है। कुल मिलाकर महिलाओं का प्रतिनिधित्व 45 प्रतिशत है, जबकि पुरूषों का 55 प्रतिशत है।

प्रेस वार्ता में न केवल नई सुविधाओं का परिचय दिया गया है बल्कि एम्स जम्मू में पारदर्शिता और सामुदायिक भागेदारी का अवसर भी दिया गया है। प्रोफेसर गुप्ता का दृष्टिकोण स्वास्थ्य स्तर को

उपर उठाने और सभी निवासियों के लिए उच्च गुणवता वाली चिकित्सा सेवाओं तक पहुंच में सुधार के व्यापक लक्ष्य को दर्शाता है।

निदेशक महोदय ने प्रमुख रूप से कहा कि एम्स जम्मू उच्च गुणवता युक्त स्वास्थ्य सेवा को एक सार्वभौमिक अधिकार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जिसमें संस्थान के अद्वितीय ढांचे, असाधारण प्रतिभा, भविष्य की सोच शामिल है। राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में एम्स जम्मू एक 'ग्लोबल विलेज' की भावना का प्रतीक है, जो दुनिया भर में छात्रों, शोधकर्ताओं और रोगियों के लिए एक आशा, विश्वास और प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।

निदेशक महोदय ने यह कहते हुए वार्ता को समाप्त किया कि, 'मै व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से जम्मू के लोगों को उनके अटूट समर्थन के लिए और भारत सरकार को उनके दृढ़ विश्वास तथा अपनी टीम को उनके समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए आभारी हूं। मैं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में और राष्ट्र की आवाज के रूप में मीडिया का उनके एम्स जम्मू की यात्रा में उनकी अमूल्य भूमिका के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

आरोग्यं परम भाग्यं स्वास्थं सर्वार्थसाधनम्